नर्मदा घाटी में संघर्ष और निर्माण के 25 साल

आमंत्रण : 22–23 अक्तूबर, 2010:

धड़गांव (महाराष्ट्र) व बड़वानी (मध्य प्रदेश) में

भव्य रैली एवं आमसभा

पिछले 25 सालों से चल रहे जन आंदोलन की गवाह है नर्मदा! इस समृद्ध एवं पवित्र मानी गई नदी के किनारे सतपुड़ा और विंध्य की पहाड़ियों, में पीढ़ियों से बसे आदिवासी तथा किसान, मछुआरे, मजदूर, कुम्हार, निमाड़ (म.प्र.) के मैदानी, जनसंख्या से भरपूर, गांवों से अपने हरे भरे उपजाऊ खेत, खलिहान, पेड़–जंगल और प्राकृतिक संपदा बचाने के लिए उसी तरह लड़ते आये हैं जैसे कि जनतंत्र और जन अधिकार कायम रखने के लिए! 1985 से शुरू हुए अहिंसक संघर्ष ने आज तक बचाकर रखा घाटी के बड़े हिस्से को, जबकि त्याग की कगार पर खड़े, भुक्तभोगी आदिवासियों का संघर्ष जमीन के हक के साथ पुनर्वास के लिये आज भी जारी है.... रहेगा।

साथ ही, जीवनशालाओं, छोटे बिजली घरों, वन अधिकार, अन्न अधिकार, मछली पर अधिकार पर आधारित विकास कार्य के द्वारा नवनिर्माण से भी जुड़ा रहा आंदोलन! यही रहा है सही विकास–विस्थापन, विनाश, विषमता के बिना–का लक्ष्य और हमारी मंजिल... जिसकी ओर, विश्व बैंक और अन्तरराष्ट्रीय साहूकारों को हटाकर, बढ़ते रहे हैं, आप सबके साथ, हमारे कदम।

नर्मदा से बहता रहा पानी, एक आधे–अधूरे सरदार सरोवर ही नहीं, पूरे हो चुके अन्य बांधों से, कुछ रूकता भी रहा, जबकि पर्यावरणीय, सामाजिक (पुनर्वास) कानूनों और अदालती फैसलों के उल्लंघन, आर्थिक लाभ–हानि की विफलता, चढ़ा–बढ़ा कर बताए गए अप्राप्त लाभों का सिलसिला, पुनर्वास में उजागर हुए करोड़ों के अभूतपूर्व भ्रष्टाचार.... आदि की पोल–खोल होती रही है। इसीलिए 122 मीटर पर रूके हुए सरदार सरोवर के डूब क्षेत्र में **आज भी बसे हैं 2 लाख लोग** और डूबा नहीं एक भी बड़ा गांव। हजारो आदिवासी परिवारों का जमीन के साथ पुनर्वास हो पाया फिर भी सरदार सरोवर की डूब से हजारो हेक्टेअर खेती, लाखों लोग, लाखों पेड़, मंदिर–मस्जिद, घाट, भरे–पूरे गांव बचाने के लिए लड़ना पड़ रहा है बिना पुनर्वास उजाड़े गये जोबट बांध विस्थापितों ने और इंदिरा सागर, ओकारेश्वर बांधों की नहरों से प्रभावित हजारों परिवारों ने भी न्याय की गुहार लगायी है। हमारे साथियों ने इसे फैलाया है अन्य बड़े बांधों पर भी और जारी है कानूनी, मैदानी संघर्ष!

जबकि 'राज्य' और राजनीति आज भी तुली हुई है सरदार सरोवर और नहरों का जाल आगे बढ़ाने पर, बड़ी परियोजनाए, नदीयां और घाटीयों पर कहर ढा रही है, आज भी देश में पूर्वोत्तर भारत से आंध्र और केरल तक – और नहीं बदली है जलनीति, विकासनीति तब हमें अहिंसक संघर्ष और निर्माण को भी पूरी कटिबद्धता के साथ जारी रखना है। हमने साम–दाम दंड–भेद की अनीति से जो भुगता है, उसी से बनी रही है कटिबद्धता, जो आप जैसे देश भर के साथियों, सहयोगियों से और दृढ़ हो पायी है। आशिष, संजय, शोभा जैसे साथी, हमारे बीच न होते हुए भी, उनके द्वारा हजारों के साथ जलायी मशाल को हम देश और दुनिया में आगे ले जाना चाहते हैं।

25 साल के कार्य के चढ़ाव उतार, सफलता असफलताएँ, हमारे साध्य–साधन, हमारा नजरिया और जन राजनीतिकी सोच एवं कार्यक्रम को हम पीछे मुड़कर और आगे झाककर हम देखना चाहते हैं, आपके साथ।

इसीलिए 25 साल पूर्ण होने के इस मौके पर, हमारे साथ काम किये हुये, साथ खडे रहें और संकट एवं सुखदुख में सहयोगी बने, वैचारिक बहस में जुडे सभी व्यक्ति एवं संगठनों के साथ हम इकठ्ठा होगें। आप सादर आमंत्रित हैं,

- **22 अक्तूबर** को धड़गांव, जिला नंदुरबार (महाराष्ट्र) के पहाड़ी, आदिवासी क्षेत्र में और
- **23 अक्तूबर** को बड़वानी, जिला बड़वानी (म.प्र.) में, आदिवासी–किसानी क्षेत्र में – बड़ी रैली और आमसभाओं में।

कृपया धड़गांव पहुंचे, 21 अक्तूबर की शाम या 22 अक्तूबर की सुबह, ओर हम रैली के बाद आगे नर्मदा पार करते हुए, नाव से भादल गांव में मुकाम के बाद बड़वानी तक ले जाएंगे।

आपकी उपस्थिति हमारी ताकत, जिद बढ़ायेगी; हमे प्रेरणा व दिशा देगी, भविष्य के लिए!

आप सादर आमंत्रित है, जनआंदोलनों के राष्ट्रीय समन्वय के द्विवार्षिक अधिवेशन के लिए भी – 24 से 26 अक्तूबर को नर्मदा घाट–बड़वानी में। (निमंत्रण अलग से संलग्न)

तो जरूर आइये। कृपया आयोजन की दृष्टि से हमें पूर्व सूचना जरूर दीजिए....जल्द से जल्द।

सादर,
लुहारिया शंकरिया, मोहन पाटीदार, नूरजी पाड़वी, कमला यादव, कैलाश अवास्या, देवराम कनेरा, रणवीर तोमर , योगिनी, सियाराम पाडवी, रमणभाई तड़वी, चेतन सालवे, गीतांजली, मड़ूभाई मछवारा, रमेश प्रजापति, भागीरथ धनगर, खजान भीलाला, मेधा पाटकर

नर्मदा घाटी में संघर्ष और निर्माण के 25 साल

कैसे पहुंचे धड़गांव?

धड़गांव, महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में सतपुड़ा में बसा तहसील है। शहादा या अकलकुआ से दो घंटे घाटी चढ़ने पर धड़गांव पहुंचते हैं। धड़गांव से निकटतम रेलवे स्टेशन दोंडाइचा (अहमदाबाद–हावड़ा मार्ग पर – 3 घंटे दूर), नंदुरबार या धुले (3 घंटे दूर), भरूच/अंकलेश्वर – गुजरात से (चाढ़े चार घंटे दूर) है।

मुंबई/पुणे से – धुले पहुंचकर सड़क से आ सकते हैं या हर शाम 6 बजे शहादा तक चलने वाली किसी ट्रैव्हल्स बस से। शहादा से बसें करीबन हर घंटे और सार्वजनिक जीप या टैक्सी (कोर्ट के पास से) धड़गांव तक दिन भर चलती है।

मध्य प्रदेश से – 21 की सुबह बड़वानी पहुंचने पर सड़क मार्ग से अन्य कार्यकर्ताओं के साथ धड़गांव।

नागपुर या दिल्ली से – चालीसगांव/जलगांव तक ट्रेन से और वहां से साढ़े चार घंटे सड़क मार्ग से

दिल्ली से – बड़ौदा/भरूच रात भर में ट्रेन से पहुंचकर फिर बस से अक्कलकुआं होकर पहुंच पाएंगे।

हैदराबाद/ बंगलोर/केरल से – मनमाड तक पहुंचकर सड़क मार्ग से 6 घंटे की दूरी पर

धड़गांव में संपर्क : नर्मदा बचाओ आंदोलन कार्यालय, मैत्री निवास, काकावाड़ी, धड़गांव
फोनः 09423944390/09423965152/09420375730/02595–220620

कैसे पहुॅचे बड़वानी?

बड़वानी मध्य प्रदेश का एक जिला है जो नर्मदा किनारे और इन्दौर, खंडवा (म.प्र.), बड़ौदा (गुजरात) तथा धुले (महाराष्ट्र) रेलवे स्टेशन से करीब 4 से 5 घेटे की दूरी पर है।

इन्दौर से – इन्दौर से हर आधे–एक घंटे बाद सरवटे बस स्टैंड से बसें चलती हैं, जो रेलवे स्टेशन से बहुत नजदीक है।

भोपाल से – भोपाल से इन्दौर तक कई बसें/पब्लिक टैक्सी चलती है और भोपाल से बड़वानी तक सीधी बस रात में 8 बजे जवाहर नगर बस स्टैंड से चलती है।

बड़ौदा से – बड़ौदा से बड़वानी तक दोपहर 12:30 बजे बस है अन्यथा सुबह 5 और 10 बजे चलने वाली बस से कुक्षी तक चलकर, वहां से बड़वानी 1 घंटे दूरी पर है, बस से।

धुले से – धुले से बड़वानी के लिए सीधी बस सुबह 8:30 बजे है अन्यथा शिरपुर–सेंधवा –जुलवानिया बड़वानी मार्ग से बसें कही भी बदलकर आ सकते हैं।

खंडवा से – खंडवा से सीधी बड़वानी के लिए सुबह 4 बजे से शाम 4 बजे तक कई बसे चलती हैं, अन्यथा खरगोन या जुलवानिया आकर बस बदल सकते हैं।

बड़वानी में संपर्क : नर्मदा बचाओ आंदोलन कार्यालय : 07290–222464 (पूछें श्रीकांत/भागीरथ/कमला बहन/कैलाश के लिए) या भागीरथ - 09926305445, श्रीकांत- 9179148973

अन्य संपर्क – मदद/मार्गदर्शन के लिए

- मधुरेश (जन आंदोलनों का राष्ट्रीय समन्वय) – 9818905316
- दिल्ली फोरम – 011 – 26680883/26680914
- सुनीति सु. र., पुणे – 09423571784/020–24251404
- परवीन जहांगीर, मुम्बई – 09820636335
- विजया चौहान, मुम्बई – 09820236267
- जैकब वडकंचरी (केरल) – 09495925799
- जी. ओ. जोस/हुसेन मास्टर (केरल) – 09446000701/09445375379
- फिलिप मैथ्यू (केरल) – 09446456616
- चिन्मय मिश्र/अमूल्य निधि, इन्दौर – 09893278855/09425311547
- सर्वोदय प्रेस सर्विस, इन्दौर – 0731–2401083 (दोपहर 1:30 से शाम 6 बजे तक)
- राकेश दीवान/रोली – भोपाल – 09424467604/09425466461
- श्याम पाटील, धुले – 9423496020
- मनीष माणके, मनमाड, (चालीसगांव, जलगांव के लिए भी) – 09822190078
- सिस्टर सीलिया, बंगलोर – 09945716052
- देबजीत भाई, कोलकाता – 09433830031
- रामकृष्णम राजू, हैदराबाद – 09866887299
- मेधा पाटकर – 09423965153, 09424076624